सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-344
15/08/2017

# बिहार को राष्ट्र के मानचित्र पर विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने में अपना पूरा सहयोग दें :– मुख्यमंत्री

पटना, 15 अगस्त 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गॉधी मैदान में झंडोतोलन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र के 71वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूँ। स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग एवं बलिदान के फलस्वरूप हमें 15 अगस्त, 1947 को आजादी मिली। आज के दिन हम उन बहुसंख्य राष्ट्रभक्तों को श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी। मैं उन वीर जवानों को भी नमन करता हूँ, जो स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बहादुरी से देश की सरहदों की सुरक्षा कर रहे हैं। उनके त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 बिहार के लिए ऐतिहासिक वर्ष है जब महात्मा गाँधी के चम्पारण सत्याग्रह का सौ वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में हम इसे शताब्दी समारोह के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के अवसर पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पटना में देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित कया गया। उन्होंने कहा कि हमें गॉधी जी के विचारों को घर–घर पहुॅचाना है। लोगों को खासकर युवा पीढ़ी को गॉधीजी के विचारधारा से प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर मैं बिहारवासियों को नमन करता हूॅ। बिहार के स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूॅ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिहार बाढ़ से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से उत्तर बिहार के कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है। नेपाल तथा उत्तर बिहार के कुछ जिले भारी बारिश के कारण बाढ़ के चपेट में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के 12 जिलों के 889 पंचायतों के 65 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। उन्होने कहा कि उत्तर बिहार की नदियॉ खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उन्होंने कहा कि बचाव एवं राहत कार्य शुरू है। एन0डी0आर0एफ0 की 22 तथा एस0डी0आर0एफ0 की 15 टीम को बाढ़ राहत कार्य में लगाया गया है, इसके अलावा भारतीय सेना के 619 जवान लगाए गये हैं। वायुसेना के 2 हेलिकॉप्टर बाढ़ में फंसे लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुॅचाने तथा लोगों को राहत पहुॅचाने के कार्य में लगाये गये हैं। उन्होंने बताया 254 राहत केन्द्र चलाया जा रहा है। कई स्थानों पर लोगों के लिये लंगर की व्यवस्था की गयी है। अंदरूनी क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर के माध्यम से राहत समाग्री पहुॅचाई जा रही है। उन्होंने बताया कि कल पूर्णिया प्रमंडल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। बाढ़ की स्थिति गंभीर है, अचानक बाढ़ आने से काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सड़क तथा बांध की स्थिति को भी देखा जा रहा है। बाढ़ से लोग परेशान हैं, नुकसान ज्यादा हुआ है। उन्होंने कहा कि फ्लैश फ्लड से काफी नुकसान हुआ है, क्षति का आकलन किया जा रहा है, हरसंभव सहायता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि आज दरभंगा प्रमण्डल के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। राहत कार्य में कोई कमी नहीं होगी, सब उपाय किये जा रहे हैं, जो भी सहायता जरूरी होगी, की जायेगी। हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का होता है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि परसों प्रधानमंत्री से बात हुयी थी। उनको बिहार में बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया था, बिहार के लिये मदद मॉगी थी, उसे तुरंत उपलब्ध कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में हमारा मकसद रहा है न्याय के साथ विकास। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में काम हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कल्याण, सड़क, पुल/पुलिया आदि सभी क्षेत्रों में काम हुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले हमने इसी मंच से कहा था कि अगर बिजली की स्थिति में सुधार नहीं आयी तो हम वोट मॉगने नहीं जायेंगे। आज बिजली की स्थिति में काफी सुधार आयी है। काम को करते रहने का परिणाम यह है कि बिहार में डबल डिजिट विकास दर चल रहा है। बिहार का विकास दर स्थाई दर पर 10.32 प्रतिशत रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिये सात निश्चय योजना लागू की गयी। युवाओं, महिलाओं, हर इन्सान के विकास के लिये काम किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिये स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता भत्ता, कौशल विकास, सभी सरकारी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में फ्री वाई–फाई की योजना लागू की गयी है। नये युवा उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिये भी योजना बनायी गयी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को पढ़ने के लिये बाहर नहीं जाना पड़े इसलिये हर जिला में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, महिला आई0टी0आई0, पारा मेडिकल कॉलेज खोले जायेंगे साथ ही सभी अनुमंडलों में आई0टी0आई0, ए0एन0एम0 स्कूल खोले जायेंगे, इसके अलावा पॉच नये मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं तथा सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कॉलेज खोले जायेंगे ताकि पढ़ने के लिये किसी को बिहार से बाहर जाने की मजबूरी ना रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिये काफी काम किये गये हैं। महिलाओं को पंचायती राज संस्थानों, स्थानीय नगर निकायों के साथ साथ प्राथमिक शिक्षक में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके साथ–साथ महिला सशक्तिकरण के लिये नीति का भी सूत्रण किया गया, इसके अलावा पुलिस की सेवाओ में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, यह पूरे देश भर में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय योजना के तहत महिलाओं को सभी सरकारी सेवाओं में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना था। इस योजना को लागू भी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सबके लिये काम किया गया है। हर घर नल का जल, हर घर में शौचालय, हर घर तक पक्की गली–नाली, हर घर बिजली का कनेक्शन लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक हर एक बसावट तक बिजली पहुॅचा देंगे। साथ ही अगले साल के अंत तक हर घर तक बिजली पहुॅचा दी जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विकास के साथ–साथ सभी चीजों पर ध्यान देते हैं। पहले लोगों को प्रमाण–पत्रों को बनाने में काफी कठिनाई होती थी, इसे देखते हुये लोक सेवा का अधिकार कानून लागू किया गया। आज लोगों को अपने प्रमाण–पत्र बनाने के लिये चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत अब तक 16 लाख से ज्यादा को लाभ मिल चुका है। इसी तरह लोगों के शिकायतों के निवारण हेतु लोक शिकायत निवारण अधिनियम बनाया गया। हमने घूम–घूम कर देखा भी है। बहुत बड़ी संख्या में लोगों के शिकायतों का निष्पादन किया जा रहा है। अब तक 1 लाख 75 हजार 8 सौ शिकायतों का निष्पादन किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता के हित में सुधार लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में कानून के राज के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा। विकास के लिये कानून के राज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, सद्भाव होना चाहिये। इसके साथ–साथ सामाजिक क्षेत्र में विकास के लिये भी काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा पर भी ध्यान देना है। सभी लोगों को पेड़ लगाना चाहिये तथा उसकी रक्षा करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये। उन्होंने कहा कि इस वर्ष तक हमारा लक्ष्य है बिहार में 15 प्रतिशत हरित आवरण को प्राप्त करने का और मुझे इस बात की खुशी है कि हमें इसमें सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि झारखण्ड के बॅटवारे के बाद बिहार में 9 प्रतिशत से भी कम हरित आवरण

क्षेत्र बचा था। इसे देखते हुये हरियाली मिश्न लागू किया गया। आज उसका अच्छा परिणाम निकल रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी हमेशा कहा करते थे कि पृथ्वी लोगों के जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है ना कि उनके लालच को। उन्होंने कहा कि समाज में हर प्रकार के लालच से छुटकारा पाना है। उन्होंने ने कहा कि 5–6 दिन पहले भागलपुर में सरकारी खाते से अन्य खाते में पैसे ट्रांसफर करने का मामला समाने आया था। उन्होंने कहा कि इसमें जो भी लोग शामिल होंगे किसी को नहीं बख्शा जायेगा। कानून के मुताबिक उन्हें सजा दी जायेगी। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में बिहार का बजट काफी बढ़ा है। हम बिहार को विकास के मार्ग पर कहॉ से कहॉ ले जाना चाहते हैं परन्तु चंद लोग ऐसे कार्य करते रहते हैं, उनको बख्शा नहीं जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में समाजिक परिवर्तन के कार्य किये जा रहे हैं। महिलाओं ने शराबबंदी की मॉग की थी। हम भी देख रहे थे कि इससे समाज में गिरावट, आपसी झगड़ा एवं घटनाओं के संख्या में बढ़ोत्तरी आदि हो रही थी। इन सब को देखते हुये शराबबंदी लागू की गयी। आज शराबबंदी लागू होने के बाद माहौल कितना बदल गया है। कुछ लोग कहते थे कि सरकार के राजस्व को घाटा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को अगर पॉच हजार करोड़ राजस्व का नुकसान हुआ है तो लोगों का 10 हजार करोड़ बर्बाद होने से बच गया है। आज लोग उसका सही उपयोग कर रहे हैं। मिठाई खा रहे हैं, कपड़ा पहन रहे हैं, बच्चों की स्थिति सुधरी है, महिलाओं का उत्पीड़न कम हुआ है, घरेलू हिंसा की घटना कम हुयी है, सड़क दुर्घटना के मामले में कमी आयी है। उन्होंने कहा कि यह संकल्प का विषय है। सरकार के आमदनी में भी ज्यादा कमी नहीं आयी है। सरकार के राजस्व में मात्र एक हजार करोड़ की कमी आयी है। हमें और आगे जाना है। आज सबों मे खुशी का माहौल है। शाम को गॉव एवं कस्बों में शांति होती है। उन्होंने कहा कि हम समाज में और सुधार लायेंगे। हमें शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर बढ़ना है। उन्होंने कहा कि मैं इस मंच से सम्पूर्ण बिहारवासियों को धन्यवाद देता हूॅ। 21 जनवरी को मानव श्रृंखला में चार करोड़ से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, यह शराबबंदी के पक्ष में लोगों का प्रकटीकरण था। उन्होंने कहा कि इससे आगे हमें और काम करना है। बाल विवाह भी बुरी चीज है। 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के की शादी नहीं होनी चाहिये। बाल विवाह से काफी समस्यायें उत्पन्न होती हैं। बच्चों में बौनापन आने लगा है। उन्होंने कहा कि इसके साथ–साथ दहेज प्रथा समाज में बढ़ रहा है, यह दुखद बात है। इन दोनों कुरीतियों के विरूद्ध सशक्त अभियान चलाना है। राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के जन्म दिन 2 अक्टूबर से इस अभियान की शुरूआत की जायेगी। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी से अपील करता हूॅ कि इस अभियान में आप सभी लोगों का सहयोग मिलना चाहिये। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले मैं नेत्रदान, अंगदान, देहदान के कार्यक्रम में शामिल हुआ था। हम इसे आगे बढ़ायेंगे। उन्होंने कहा कि जब समाज में सुधार आयेगा तभी हमारा बिहार आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा इतिहास गौरवशाली है। हम पुनः उस स्थान को प्राप्त करेंगे। इसके लिये सबका सहयोग अपेक्षित है, खासकर युवाओं का। उन्होंने कहा कि हम आपस में मिलकर रहें। लोगों के बीच प्रेम और मोहब्बत का वातावरण रहे। समाज में सौहार्द का वातावरण रहे तो बिहार को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें और आगे बढ़ना है। इसके लिये कई निर्णय लिये गये हैं। अनुसूचति जाति/जनजाति, अतिपिछड़ा वर्ग एंव अल्पसंख्यक पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति को पूर्व की भांति लागू किया जायेगा। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना का विस्तार कर इस वर्ष से मदरसा शिक्षा बोर्ड के फोकानिया एवं मौलवी में प्रथम श्रेणी में उर्तीण विद्यार्थियों को मेधावृति का लाभ दिया जायेगा। बिहार राज्य मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त मदरसों में शैक्षणिक सुधार हेतु राज्य निधि से मुलभूत सुविधायें यथा– क्लास रूम, पुस्तकालय, फर्नीचर, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था के लिए नई योजना लाई जायेगी। जिला स्तर पर वक्फ की भूमि पर बहुउद्देशीय भवन का निर्माण कराया जायेगा, जिसमें वक्फ कमिटी का

कार्यालय, पुस्तकालय, ऑडिटोरियम, कौशल विकास केन्द्र, कोचिंग सेंटर आदि की व्यवस्था होगी। जिलों में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना का बजट बढ़ाकर प्रतिवर्ष 100 करोड़ किया जायेगा। साथ ही मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक परित्यक्ता महिला आर्थिक सहायता योजना में सहायता राशि को 10 हजार से बढ़ाकर 25 हजार किया जायेगा। धुनिया, रंगरेज, दर्जी, समूह के कल्याण के लिए विशेष योजना लाई जायेगी। दिव्यांगजनों की विशेष आवश्यकताओं के मद्देनजर समाज कल्याण विभाग में एक अलग निदेशालय बनाया जायेगा। राज्य सरकार के विभिन्न कार्य विभगों में ठेकेदारी में 15 लाख रूपये तक की योजनाओं के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान किया है। इस सीमा को 15 लाख से बढ़ाकर 50 लाख तक किया जायेगा तथा आरक्षित वर्ग के महिलाओं को 35 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ दिया जायेगा। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा सम्पर्क विहीन पर्यटन स्थलों को मुख्यमंत्री पर्यटन सम्पर्क योजना के तहत जोड़ा जायेगा। बिजली के क्षेत्र में सुधार को आगे बढ़ाते हुये बिजली के सभी जर्जर तारों को राज्य निधि से बदला जायेगा। कजरा एवं पीरपैंती में सोलर पावर प्लांट की स्थापन की जायेगी। नवजात बालिकाओं को स्पेशल न्यू–बॉर्न केयर यूनिट में भर्ती कराने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने हेतु 500 रूपये प्रोत्साहन राशि तथा माताओं के लिए 200 रूपये प्रतिदिन क्षतिपूर्ति राशि राज्य निधि से दी जायेगी। स्पेशल न्यू बॉर्न केयर युनिट में भर्ती माताओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जायेगा। सामाजिक, आर्थिक एवं जाति जनगणना में चिन्हित पूर्विकताप्राप्त परिवारों को राज्य के सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क डायलेसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के हर तबके हर इलाके का विकास किया है। हम हाशिये पर किसी को नहीं रहने देंगे। सबको मुख्य धारा से जोड़ने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी संकल्प लें कि बिहार को राष्ट्र कि मानचित्र पर विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने में अपना पूरा सहयोग देंगे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत 18 झाँकियों को भी देखा और उनमें दर्शायी गयी कलात्मक एवं शिक्षाप्रद ज्ञान की प्रशंसा की।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने शहीद–ए–कारगिल स्थल पर जाकर कारगिल के अमर शहीदों को नमन किया और उन्हें सपुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की।

******